बोरिस ज़खोडर

केकड़ा और गुलाब

चित्र: जी कलिनोव्की

हिंदी: अरविन्द गुप्ता
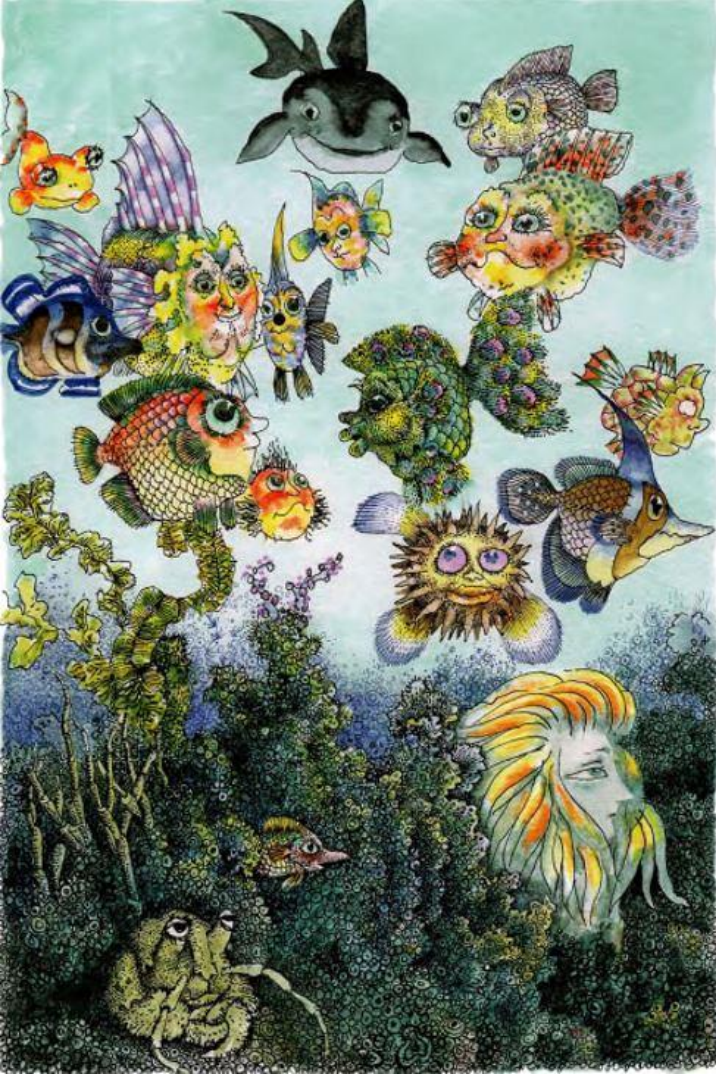
नीले सागर में एक छोटा केकड़ा रहता था. और वह बहुत दुखी था, इतना दुखी कि उसे समझ नहीं आ रहा था कि समुद्र को नीला क्यों कहा जाता है, क्योंकि उसे वह हमेशा बिल्कुल सिलेटी दिखता था.

हाँ, यह बहुत अजीब था.

सच में समुद्र वास्तव में नीला था और उसमें रहना बहुत मजेदार था. मछलियों (केवल पुराने दिनों में लोग सोचते थे कि मछलियां बोल नहीं सकती थीं) ने एक छोटा सा गीत भी बनाया था कि समुद्र में जीने में कितना मज़ा था:

कहीं किसी को भी

पूरी दुनिया भर में

इतना ज्यादा मजा नहीं आता होगा

जितना मछलियों को पानी में आता है!

लोग भी नहीं

और जानवर भी नहीं

किसी भी मौसम में इतना मज़ा उड़ाते होंगे

कोई भी पूरी दुनिया में

इतना अधिक मज़ा नहीं करता होगा

जितना मज़ा मछलियां पानी में करती हैं!

और मछलियां इस गीत को पूरे दिन गाती थीं. समुद्री तारे चमक रहे थे, यहां तक कि बुद्धिमान बूढ़ी डॉल्फ़िन भी मेमनों की तरह इधर-उधर घूम रही थी, लेकिन बेचारा केकड़ा एक दरार में बेहद दुखी था, और बिलकुल चुपचाप बैठा था.

उसके पास वह सब कुछ था जो एक असली केकड़े में होना चाहिए: पाँच जोड़ी टाँगें, मोटी-मोटी आँखें, लंबी-लंबी मूंछें और शक्तिशाली पंजे. केवल उसके पास एक खोल नहीं था. उसका पूरा शरीर मुलायम था. शायद इसीलिए जिनके पास खोल था वे सभी, और बहुत से अन्य जीव भी, उस पर हंसते थे, वे उसे चुटकी काटते थे, और कभी-कभी तो उसे खाने की कोशिश भी करते थे...

और उन्होंने यह शोकपूर्ण गीत गाया:

देखो, समुद्र में बहुत पानी है

और समुद्र में बहुत सारी जगह है,

लेकिन फिर भी आपका सिर चकरा सकता है

और आप वहाँ पर बहुत दुखी भी हो सकते हैं!

"परेशानी यह है कि तुम उतने कठोर नहीं हो," उसके दूर के एक रिश्तेदार अंकल क्रैब ने कहा, जो हमेशा सीधा नहीं बल्कि दाएं-बाएं चलता था. "आज के युग में आप नरम चमड़ी वाले नहीं हो सकते!"

और अपनी बात को साबित करने के लिए उसने बेचारे केकड़े को ज़ोर से चुटकी काटी.

"आउच!" केकड़ा रोया. "उससे बड़ी चोट लगती है!"

"यह तुम्हारी भलाई के लिए है," अंकल क्रैब ने खुद से बहुत प्रसन्न होकर कहा. "बेशक, मुझे उससे कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो मैं अपने लिए एक अच्छा कवच पाने की कोशिश करता."

और फिर वो वहां से खिसक गया. क्योंकि केकड़े के नुकीले पंजे किसी भी असली केकड़े जितने मजबूत थे और शायद उससे भी ज्यादा मजबूत...

हाँ, मैं आपको यह बताना भूल गया कि केकड़े को हर्मिट कहा जाता था, क्योंकि, जैसा कि आप जानते हैं, वह हमेशा दरारों में या चट्टानों के नीचे छिपा रहता था, ताकि उसे कुछ चुभ न जाए.

उसे सबसे पहले समुद्री घोड़े ने "हर्मिट" का उपनाम दिया था. समुद्री घोड़े को लोगों का मज़ाक उड़ाना पसंद था, फिर समुद्री तोतों ने (हाँ, वे वाकई में अस्तित्व में हैं) ने भी इसका अनुसरण किया और जल्द ही नीले सागर और सूखी भूमि पर भी हर कोई उसे हर्मिट केकड़े के नाम से बुलाने लगा.

"वह कोई बुरी चुटकी नहीं थी." जब दर्द थोड़ा कम हो गया तो हर्मिट ने सोचा, "और सलाह भी बुरी नहीं थी! शायद मुझे सचमुच ऐसा करने पर विचार करना चाहिए."

जैसा कि आप देख सकते हैं, हर्मिट न केवल दुखी महसूस करने में अच्छा था, वह अपने सिर का उपयोग भी कर सकता था, वास्तव में, वह एक बहुत ही चतुर केकड़ा था!

उसके आसपास बहुत सी सीपियाँ थीं. बहुत सोचने के बाद, केकड़े ने फैसला किया: "केकड़े के लिए सबसे अच्छी जगह बेशक एक खोल होगी; और एक शंख के लिए सबसे अच्छा कैदी निस्संदेह एक केकड़ा होगा. और जब एक केकड़ा एक खोल में रेंगकर घुस जायेगा, तो फिर कोई भी उसे चुटकी नहीं काट सकेगा, अगर मेरी खोलों और केकड़ों के बारे में समझ बहुत गलत न हुई तो.

इसलिए वो जिस पहले खोल के पास पहुंचा उसने उसे खटखटाया और मालिक को यह सब समझाने की कोशिश की, लेकिन अंदर के क्रोधित मोलस्क ने बाहर देखा और उसे बात पूरी करने से रोके बिना चिल्लाया:

"बकवास! मैं व्यस्त हूं!" और उसके खोल का दरवाज़ा तेजी से बंद कर दिया.

"केकड़े के लिए सबसे अच्छी जगह एक खोल में होती है," हर्मिट ने दूसरे खोल को खटखटाते हुए अपनी बात जारी रखी, लेकिन एक और बहुत क्रोधित मोलस्क ने भी अपने खोल से बाहर देखा और चिल्लाया:

"बकवास!"

और उसने हर्मिट की नाक के ठीक नीचे दरवाज़ा बंद कर दिया (हालाँकि केकड़ों की वास्तव में नाक नहीं होती, जैसा कि आप जानते हैं).

लेकिन जब उसने तीसरे खोल को खटखटाया तो किसी ने बाहर नहीं देखा क्योंकि उस खोल के अंदर कोई था ही नहीं, और – वाह क्या आनंद! और खोल भी बिल्कुल सही आकार का निकला, न बहुत बड़ा और न बहुत छोटा - बस उसका काम चल गया.

"हाँ, हम एक-दूसरे के लिए बने हैं," हर्मिट ने सोचा, जब उसने अपने कोमल शरीर को खोल में दाखिल किया. "इससे बेहतर क्या हो सकता था! अब कोई भी मुझे चिकोटी नहीं काट सकता है!"

और उसने तब भी ध्यान नहीं दिया जब समुद्री घोड़ा (सी-हॉर्स), जो पास में उछल-कूद कर रहा था, ने तीखी हिनहिनाहट की (जिसका अर्थ था कि वह कुछ व्यंग्यात्मक कहने वाला था) और फिर वो चिल्लाया:

“ही-ही! अब हमारा हर्मिट अपने खोल में चला गया है!”

और तोता मछली, सच कहें तो वो इस चुटकुले को बिल्कुल भी समझ नहीं पाई, उसने उसे तोते की तरह दोहराया और पूरे नीले सागर में वो खबर फैलाई.

फिर भी जब आपके पास वह सब कुछ हो जो आपको को संपूर्ण खुशी के लिए चाहिए तो आप इस तरह का मजाक बर्दाश्त कर सकते हैं, क्यों है न?
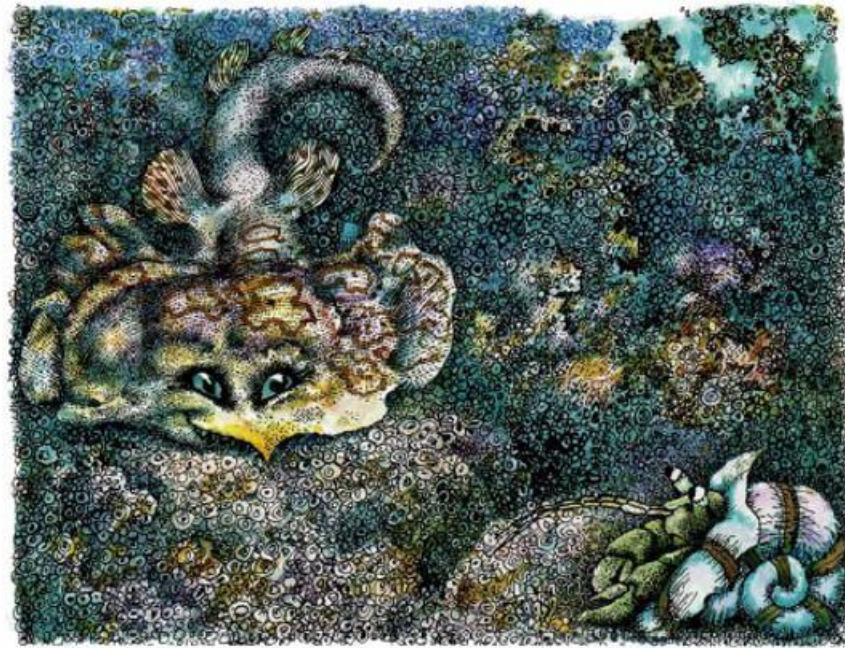
लेकिन अजीब बात है, हालाँकि अब कोई भी (अंकल क्रैब भी नहीं) हमारे हर्मिट को चुटकी या काट नहीं सकता था (उसकी अपनी भलाई के लिए भी नहीं), स्पष्ट रूप से उसके पास पूर्ण खुशी के लिए अभी भी कुछ कमी थी. अन्यथा समुद्र अब भी उसे इतना सिलेटी क्यों दिखता था? और वह अपना उदास गीत क्यों गाता रहा?

ओह, समुद्र में बहुत जगह है

लेकिन मुझे कोई जगह नहीं मिल रही

जहाँ मेरे जैसा एक छोटा केकड़ा

सचमुच खुश हो सके.

एक दिन उससे रहा नहीं गया और उसने पास से गुजर रही एक उड़ने वाली मछली से कहा:

“सिलेटी सागर में रहना कितना अजीब है! मैं जानता हूं कि एक सफेद सागर, एक पीला सागर और यहां तक कि एक लाल सागर भी है, लेकिन किसी ने कभी सिलेटी सागर के बारे में नहीं सुना है..."

"सिलेटी!" उड़ने वाली मछली हँसी. “क्यों, यह सागर बिल्कुल भी सिलेटी नहीं है! यह नीला, हरा-नीला, लाल और पीला है. उसका एक सुंदर चमकीला नीला रंग है, सबसे चमकीला नीला रंग जो आपने कभी देखा है!”

और वह जल्दी से अपने दोस्तों के पीछे चली गई जो नीली सफेद कलगीदार लहरों की प्रशंसा करने के लिए सतह पर चढ़ गए थे.

“मैं जिस किसी से भी पूछता हूं वह कहता है कि सागर नीला है. अजीब बात है!" हर्मिट ने मन-ही-मन सोचा. “फिर मैं उसे क्यों नहीं देखता? केवल मैं ही अकेला!”

"इसीलिए," एक आवाज ने इतने अप्रत्याशित रूप से उत्तर दिया कि हर्मिट चौंक गया और अपने खोल में छिप गया.

उसने बाहर झाँककर देखा - तुम क्या सोचते हो? वह सभी समुद्री जादूगरों में सबसे दयालु और बुद्धिमान जादूगर था. हाँ आप ठीक कह रहे हैं. वह डॉल्फिन थी.

"यह ठीक इसलिए है क्योंकि तुम अकेले हो!" डॉल्फिन ने कहा. “अपने लिए एक मित्र ढूंढो और फिर देखना! शुभकामनाएँ, और मेरे शब्दों पर जरूर विचार करना.”

और डॉल्फ़िन (जो सभी जादूगरों की तरह, पहेलियों में बात करना पसंद करती थी) अपनी पूंछ हिलाते हुए तैरती हुई चली गई और अपने काम में लग गई.

हर्मिट (जो, जैसा कि आप जानते हैं, अपने दिमाग का उपयोग करने के साथ-साथ दुखी होने में भी अच्छा था) बहुत सोचने लगा...

और फिर उसने निर्णय लिया.

"डॉल्फ़िन ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं अकेला हूं. खैर, बेशक, जब मुझे कोई दोस्त मिल जाएगा, तो मैं अब अकेला नहीं रहूँगा... और तब मैं क्या देखूँगा? खैर, बेशक, मैं समुद्र को नीला होते देखूंगा... और शायद सब कुछ ठीक हो जाएगा! इसलिए मुझे एक मित्र की तलाश करनी चाहिए. समस्या यह है कि मैं नहीं जानता कि दोस्त क्या होते हैं, या वे कहाँ रहते हैं, या वे कैसे दिखते हैं. कोई बात नहीं, मुझे तुरंत पता चल जाएगा जब मुझे कोई सच्चा दोस्त मिल जाएगा, क्योंकि समुद्र नीला हो जाएगा.

और इतना कहकर हर्मिट एक दोस्त की तलाश में निकल पड़ा और सच कहें तो यहीं से हमारी कहानी शुरू होती है.

मुझे यह जोड़ना चाहिए कि समुद्र तल पर एक सच्चा दोस्त ढूंढना इतना आसान नहीं था. विशेषकर यदि आपको यह पता न हो कि दोस्त कैसे दिखते हैं...

हर्मिट ने उथले और गहरे पानी का दौरा किया और कई अजीब जीव, यहां तक कि उसे कुछ राक्षस भी दिखे, लेकिन उसे कोई दोस्त नहीं मिला.

उथले पानी में वह रे-मछली से मिला और उसने उससे पूछा कि क्या वह उसका दोस्त था. और रे-मछली, जो पूरे दिन शिकार करने के लिए मछलियों की प्रतीक्षा में पड़ी थी, ने कहा:

“ओह, बेशक मैं तुम्हारी दोस्त हूँ! यहाँ आओ और हम कभी अलग नहीं होंगे!” और फिर उसने अपना विशाल भूखा मुँह खोला...

सौभाग्य से, जैसा कि आप अच्छी तरह से जानते हैं, हमारा हर्मिट बहुत चतुर था. उसे एहसास हुआ कि रे-मछली एक मित्र की नहीं, बल्कि अपने रात्रिभोज की तलाश में थी, और फिर हर्मिट झट से छिप गया, जबकि निराश रे-मछली ने अपने भयानक गीत को अपने आप ही बुदबुदाया. वो इस प्रकार था:

इतनी जल्दी क्यों कर रहे हो मित्रो?

दौड़ने से रेंगना बेहतर है.

इतनी रफ़्तार से मत भागो मेरे दोस्तों,

फिर मैं आप सभी का अभिनंदन करूंगी.

और वह एक तरह से सही था, क्योंकि रे-मछली के लिए तैरने वाली चीज़ की तुलना में रेंगने वाली चीज़ को पकड़ना ज़्यादा आसान था.

समुद्र की गहराइयों में जहां शाश्वत अंधकार का साम्राज्य था, वहां पर हर्मिट ने प्रकाश का एक बिंदु देखा और ख़ुशी से उसकी ओर तैर गया. वह एक गहरे पानी की मछली थी जिसका नाम इतना कठिन था कि मछली खुद भी अपना नाम नहीं जानती थी. जब उसकी नज़र हर्मिट पर पड़ी, तो उसने अपनी चमकती छड़ी से उसे अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश की, और यदि वह उस चारे से प्रलोभित हो जाता, तो फिर उसका बहुत बुरा परिणाम होता, क्योंकि गहरे पानी की इस मछली का मुँह रे-मछली जितना ही बड़ा था....

उसने *कुकुमेरिया फ्रोंडोसा* का अभिवादन किया और उसके साथ बातचीत शुरू करने की कोशिश की, लेकिन वो कायर प्राणी इतना डरा हुआ था कि वह अंदर चला गया और उस पर गोली चला दी, क्योंकि उसे वह दुश्मन लगा. इस तरह से ये मोलस्क (खोल वाले प्राणी) अपनी रक्षा करते हैं...

उसने खूबसूरत मेडुसा से दोस्ती करने की कोशिश की, लेकिन वह न केवल मूर्ख निकली बल्कि जहरीली भी निकली और वह मुश्किल से उसके घातक जाल से बच पाया.

संक्षेप में, चाहे हर्मिट ने कितनी भी खोज की, उसे कोई भी दोस्त नहीं मिला. कुछ उससे डरते थे, कुछ उसका मज़ाक उड़ाते थे, कुछ उसे खाने की कोशिश करते थे, और निःसंदेह, इनमें से किसी को भी अच्छा दोस्त नहीं माना जा सकता था!

तो आख़िरकार, बहुत थककर और बहुत उदास होकर, वह आराम करने के लिए बैठ गया और उसने कहा:

“मैंने समुद्र की तलहटी छान मारी और वहाँ कहीं कोई मित्र नहीं मिला. और समुद्र अभी भी भूरा है. शायद समुद्र मेरे लिए हमेशा सिलेटी रहेगा. हे प्रिय, काश मैं स्वयं डूब जाता!”

उसी क्षण उसने सुना कि कोई अपने ही शब्दों को गहरी साँस के साथ दोहरा रहा है.

"हे प्रिय, काश मैं स्वयं डूब जाता!”

हर्मिट ने चारों ओर देखा (या बल्कि अपनी आँखें चारों ओर घुमाईं, क्योंकि उसके लिए वो करना संभव था) और किसी को नहीं बल्कि एक समुद्री-गुलाब को देखा. लेकिन समुद्री गुलाब (चतुर लोग उन्हें *एक्टिनिया* कहते हैं) आह नहीं भर सकते, भले ही वे फूल न हों.

फिर एक और आह निकली, उसके बाद कुछ सिसकियाँ. लेकिन आसपास उस समुद्री गुलाब के अलावा और कोई नहीं था.

"क्या आप रो रही हैं?" हर्मिट ने आश्चर्य से पूछा.

वो लगभग जोड़ने ही वाला था "क्या आप रो सकती हैं?" लेकिन समय रहते उसने खुद को रोक लिया.

गुलाब ने कुछ नहीं कहा, लेकिन चूँकि वह और भी ज़ोर से रोई, इसलिए वास्तव में उत्तर की कोई आवश्यकता नहीं थी.

"क्यों रो रही हो? क्या किसी ने तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार किया है?” हर्मिट से पूछा (जो कोमल हृदय होने के साथ-साथ कोमल स्वभाव का भी था).

"कोई भी मेरे साथ बुरा व्यवहार करने का साहस नहीं कर सकता!" गुलाब ने कहा. "पूरे समुद्र में कोई भी मुझ पर उंगली उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता है."

और फिर वो गर्व से सीधी हो गई और उसने रोना भी बंद कर दिया.

“तो फिर क्यों रो रही थीं?” हर्मिट ने उससे इतने धीरे से पूछा कि गुलाब ने नरम होकर उत्तर दिया:

"मैं सिर्फ दुखी हूँ. दुःख की बात है क्योंकि समुद्र बहुत सिलेटी है! अगर मुझे कोई दोस्त मिल जाता, तो सब कुछ अलग होता. क्योंकि मैं चल नहीं सकती, इसलिए मैं बस यहीं पर खड़ी होकर दुखी महसूस कर रही हूं..."

हर्मिट उसे बताना चाहता था कि उसने समुद्र तल छान मारा था और उसे कहीं भी कोई दोस्त नहीं मिला, लेकिन उसे बेचारी समुद्री गुलाब के लिए खेद महसूस हुआ, खासकर क्योंकि वह बहुत सुंदर थी.

और उसने उससे कहा:

“मैं भी एक मित्र की तलाश में समुद्र तल के चारों ओर घूम रहा हूँ. यदि आप चाहें तो हम एक साथ जा सकते हैं, और शायद यदि हम बहुत, बहुत भाग्यशाली हों तो हममें से प्रत्येक को एक-एक दोस्त मिल सकता है, और फिर समुद्र नीला हो जाएगा और फिर हम दुखी नहीं होंगे.”

"लेकिन मैं चल नहीं सकती," गुलाब ने कहा, और उसकी पंखुड़ियाँ उदास होकर झुक गईं.

"अरे, यह कोई बड़ी तबाही नहीं है," दयालु हर्मिट ने कहा. “अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें ले जा सकता हूँ. इसमें मुझे बहुत ख़ुशी होगी.”

गुलाब उस स्थान से हटने से डर रही थी जहाँ वह हमेशा खड़ी रहती थी, भले ही वह वहाँ दुखी थी... हमेशा ऐसा ही होता था.

लेकिन हर्मिट ने उससे इतने प्यार से बात की और वो उसे इतना दयालु लगा कि वह मान गई. हर्मिट ने उसे चट्टान से नीचे उतरने और उसके खोल पर चढ़ने में मदद की, और फिर वे चल पड़े.

गुलाब को चक्कर आने लगे, क्योंकि उसे पहले कभी यह नहीं पता था कि हिलना कैसा होता है. उसे अपने चारों ओर सब कुछ एक जंगली नृत्य में घूमता हुआ प्रतीत हुआ, चट्टानें, समुद्री शैवाल, समुद्र तल से चिपकी हुई सीपियाँ, और समुद्री हाथी. वह पीली भी पड़ गई, लेकिन उसने मुँह से आवाज़ नहीं निकाली - क्योंकि वह बहुत, बहुत गौरवान्वित थी!

लेकिन कुछ मिनटों के बाद उसे इसकी आदत हो गई (खासकर जब सच कहा जाए तो हर्मिट बिल्कुल दौड़ नहीं रहा था) और उसने अपने आस-पास जो कुछ भी देखा, उसके बारे में जोर-जोर से उत्साहित होना शुरू कर दिया.

"ओह, कितना अद्भुत!" गुलाब ने चिल्लाकर कहा. "साँस लेना कितना आसान है, जब आप स्थिर खड़े नहीं हों! ओह, कितनी सुंदर रंग-बिरंगी मछलियां हैं! वे क्या कहलाती हैं? और वो चमकती चीजें क्या हैं?

समुद्री सितारे, बस इतना ही! मैंने कभी नहीं सोचा था कि वे इतने सुंदर होंगे. और यह क्या है? और वह कौन है? ओह, यात्रा करने में कितना मज़ा आ रहा है!"

हर्मिट के पास उसके प्रश्नों का उत्तर देने के लिए समय नहीं था. निःसंदेह, उसने वह सब कुछ देखा था जिसे लेकर गुलाब बहुत उत्साहित थी, लेकिन उसने मन-ही-मन सोचा (क्योंकि वह वास्तव में बहुत ही दयालु था): "उस बेचारी को आनंद लेने दो,! वह जल्द ही मेरी तरह इससे तंग आ जाएगी... वास्तव में उसे आनंद लेते हुए सुनना बहुत अच्छा लग रहा था! मुझे आश्चर्य है कि अगर मुझे कोई दोस्त मिल जाए तो क्या वह और मैं एक साथ आनंद लेंगे या नहीं?

और वह सोचने लगा कि यह कितना दुखद है कि उसे अभी तक कोई दोस्त नहीं मिला था. अचानक, गुलाब ने, जो एक पल के लिए शांत थी, पूछा, जैसे कि वह उसके विचारों को पढ़ सकती हो:

"बताओ, हम दोस्तों की तलाश कब करेंगे?"

इस पर हर्मिट खुद को रोक नहीं सका और उसने उसे सच बता दिया: कैसे उसने समुद्र के तल पर एक दोस्त की तलाश की थी और सभी प्रकार के जीव, यहां तक कि राक्षस भी देखे थे, लेकिन नहीं उसे वहां कहीं कोई दोस्त नहीं मिला था ...

"शायद कहीं भी कोई दोस्त नहीं है," हर्मिट ने उदास होकर कहा, "और क्या यह बेहतर है कि उनकी तलाश न की जाए?"

"यह सच नहीं है!" गुलाब ने कहा. "मुझे यकीन है कि दोस्त ज़रूर हैं, और अगर आपको कोई नहीं मिला इसका एकमात्र कारण यह था कि आप यह नहीं जानते थे कि उन्हें कहाँ देखना है."

"क्या तुम्हें अच्छी तरह पता है?" हर्मिट ने पूछा.

"हां मुझे पता है. असली दोस्त रेड सिटी में रहते हैं. उन्होंने उस शहर को स्वयं बनाया और वे वहां खुशी से रहते हैं, और उनके लिए समुद्र हमेशा नीला रहता है! और लोग कहते हैं कि ये दोस्त मेरी बहनें या भाई या अन्य कोई रिश्तेदार हैं, इसलिए हमें वहां जाना चाहिए और वे हमें देखकर बहुत खुश होंगे."

"क्या वे हमारी भलाई के लिए हमें चुटकी काटेंगे?" हर्मिट ने पूछा, जिसे "रिश्तेदार" शब्द सुनते ही तुरंत अंकल क्रैब की याद आई.

"नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता है," गुलाब ने गर्व से कहा. “मैंने तुमसे कहा था कि किसी की भी मुझ पर उंगली उठाने की हिम्मत नहीं हुई! अगर मैं उन्हें नहीं चाहती थी," उसने आगे कहा, यह याद करते हुए कि जब हर्मिट ने उसे छुआ था और उसे उसके खोल पर चढ़ने में मदद की थी.

हर्मिट यह कहने ही वाला था कि उसे यह बहुत आश्वस्त करने वाला लगा, हालाँकि अफ़सोस, उसे खुद भी कई बार चिढ़ाया गया था, लेकिन उस पल अंकल क्रैब के अलावा कौन प्रकट होता.

"शुभ दिन, भतीजे," वह लापरवाही से बुदबुदाया और अपने काम पर ध्यान देने ही वाला था (केकड़ों को हमेशा बहुत अधिक काम होता है), जब अचानक उनकी नज़र गुलाब पर पड़ी और उनकी आँखें आश्चर्य से चौंधिया गईं.

"और वह कौन है?" उसने गुलाब की दिशा में एक मोटा पंजा लहराते हुए पूछा.

आप शायद कह सकते हैं कि अंकल क्रैब एक आदर्श सज्जन व्यक्ति नहीं थे.

“यह कौन है? यह गुलाब है," हर्मिट ने समझाया. "वह और मैं दोस्तों की तलाश में रेड सिटी जा रहे हैं!"

अंकल क्रैब और भी अधिक आश्चर्यचकित हुए. उनकी मोटी-मोटी आखें घूरने लगीं.

“बेशक, इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है,” उन्होंने कहा, “लेकिन कुछ ऐसा है जो मुझे आपको बताना चाहिए. सबसे पहले, रेड सिटी सात समंदर पार है, इसलिए आप वहां कभी नहीं पहुंच पाएंगे! दूसरे, इसका असली नाम रेड सिटी नहीं, बल्कि कुछ और है, इसलिए आपको वह कभी नहीं मिलेगी! और तीसरा, वहां कोई दोस्त भी नहीं है, इसलिए वहां जाकर तलाश करने का कोई मतलब नहीं है! संक्षेप में, आप जो करने का प्रस्ताव कर रहे हैं वह हास्यास्पद है! और उस वस्तु को अपने साथ घसीटना तो और भी हास्यास्पद है.” और उन्होंने फिर से अपने मोटे पंजे से गुलाब की ओर इशारा किया.

अपमान से गुलाब का मुँह फूल गया और उसकी पंखुड़ियाँ मुड़ गईं.

तब अंकल क्रैब को एक और बड़ा आश्चर्य हुआ, क्योंकि हर्मिट (और मुझे यकीन है कि आप यह नहीं भूले होंगे कि वह बहुत दयालु था) ने अपने जीवन में पहली बार अपना आपा खो दिया था.

"तुम्हारी गुलाब का अपमान करने की हिम्मत कैसे हुई!" वह चिल्लाया और अंकल क्रैब पर झपटा.

अंकल क्रैब समय रहते ही वहां से भाग लेने में कामयाब रहे.

"बेशक, इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है," वह किनारे से सुरक्षित दूरी तक खिसकने के बाद चिल्लाए, "लेकिन सात समुद्रों में से एक में आप मैडम सी. ज़रूर मिलेंगे और वह तुम्हें एक या दो चीज़ें ज़रूर दिखाएंगी! और मुझे आशा है कि वह कुछ अच्छा करेगी, मनहूस लड़के! तुम्हारे अपने अच्छे के लिए!"

हर्मिट चिंतित हो गया. वह अच्छी तरह जानता था कि मैडम सी कौन थीं. और उसने सहज रूप से अपनी गति धीमी कर दी.

"क्या आप डर रहे हैं?" गुलाब ने उससे धीरे से पूछा. "सच सच बताओ. क्या आप मैडम सी. से डरते हैं? मत डरो! आख़िरकार, मैं जो आपके साथ हूँ!”

और हालांकि यह हर्मिट को अजीब लगा, वह लगभग हंस पड़ा.

अब मैडम सी. को सभी केकड़े और क्रेफ़िश अपना सबसे भयानक दुश्मन मानते थे, इतना भयानक कि उनमें उनका पूरा नाम लेने तक की हिम्मत नहीं थी. वह अपने डरावने जालों के साथ सबसे मजबूत केकड़े को पकड़ सकती थी और फिर वह एक नवजात शिशु की तरह असहाय हो जाता था. और अपने भयानक जबड़ों से वह अंडे के छिलके जैसे सबसे मजबूत खोल को भी तोड़ सकती थी...

अगर उसे मैडम सी. से मिलना होता तो यह बेचारी छोटी गुलाब उसकी कैसे मदद कर सकती थी? वह क्या कर सकती थी?

लेकिन वह हँसा नहीं, क्योंकि वह गुलाब को नाराज नहीं करना चाहता था.

"जो होगा, वह होगा," उसने साहसपूर्वक कहा. "लेकिन फिर भी... फिर भी आशा करते हैं कि हम उससे न मिलें."

"लेकिन अगर हम उनसे मिलते हैं, तो हम भी उन्हें एक या दो चीज़ें दिखाएंगे," गुलाब ने कहा. हर्मिट ज़ोर से हँसा और यह देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि वह बिल्कुल भी नहीं डर रहा था.

और इस प्रकार वे अपने रास्ते पर चलते रहे.

हाँ, यह सचमुच एक लंबी यात्रा थी. समुद्र तल के चारों ओर उसकी पहली यात्रा की तुलना में बहुत अधिक लंबी. वे पहले सागर, दूसरे सागर और तीसरे सागर से होकर गुजरे - और यह उन्होंने अपेक्षा से बहुत अधिक तेजी से किया. लेकिन मजेदार बात यह थी कि हर्मिट को यह लंबी यात्रा बहुत छोटी लग रही थी.

शायद इसलिए कि रास्ते में उन्होंने सब कुछ साझा किया, अपना सारा भोजन, सुख-दुख, और जो कुछ उन्होंने देखा उसके बारे में खुशी से बातचीत की.

वे आगे बढ़ते गए, और जब वे चौथे सागर पर पहुंचे, तो हर्मिट को अचानक महसूस हुआ कि वह अब अपने खोल के लिए बहुत बड़ा हो गया था और फिर दूसरे को खोजने के लिए उसमें से निकल गया.

"ज़रा ठहरो!" गुलाब ने उससे फुसफुसाकर कहा. "क्या तुम मुझे यहाँ छोड़कर कहाँ जा रहे हो?"

"नहीं, बिल्कुल नहीं," हर्मिट ने कहा. "देखो सिर्फ इतना है कि अब मैं बड़ा हो गया हूं और इसलिए मुझे एक बड़े खोल की जरूरत है."

"नहीं, तुम मुझे छोड़कर जा रहे हो," गुलाब ने ज़ोर देकर कहा. वह एकदम पीली पड़ गई.

इसलिए हर्मिट को उसे आश्वस्त करने में काफी समय लगाना पड़ा, और उसने उस पर तभी पूरी तरह विश्वास किया जब उसे एक और खोल मिला और वो उसके अंदर घुस गया और उसने गुलाब को उस पर बैठाया. और वे फिर अपने रास्ते चल दिये.

"अगर तुमने मुझे छोड़ दिया होता, तो मैं तुरंत मर जाती," गुलाब ने कहा.

"मेरा भी वही हाल होता," हर्मिट ने ईमानदारी से कहा.

गुलाब फिर से ख़ुशी से झूम उठी और उसे कहानियों और हर तरह की मज़ेदार किस्सों से लुभाने लगी. जब वे बात कर रहे थे तो उन्हें ध्यान नहीं रहा कि पानी धीरे-धीरे गर्म हो रहा था, और इसका मतलब बस यह थे कि वे सातवें सागर तक पहुंच गए थे, वह समुद्र जहां भयानक मैडम सी. रहती थीं.

"एक मिनट रुको, यह क्या है?" हर्मिट ने कहा और रुक गया, कहानी का अंत सुने बिना कि कैसे हैमर मछली (जो वास्तव में मौजूद है) ने एनविल मछली से शादी की (जो वास्तव में अस्तित्व में नहीं है) और उनके बहुत सारे बच्चे हुए थे: सॉ फिश, नेल फिश, सिकल फिश, टॉन्ग्स फिश, फाइल फिश, हॉर्सशू फिश, स्वोर्ड फिश और कई अन्य जिनमें से कुछ वास्तव में मौजूद हैं और अन्य हैं नहीं..

हर्मिट रुक गया क्योंकि उसके सामने एक भयानक दृश्य था.

ऊंची-ऊंची चट्टानों के बीच एक खड्ड अपना रास्ता बना रहा था, और खड्ड के प्रवेश द्वार पर केकड़ों की सीपियों का एक बड़ा ढेर पड़ा हुआ था. वे सभी खाली थे, पिस्ते की तरह आधे में विभाजित थे और अंडों की तरह कुचले हुए थे.

उन सीपियों में हर्मिट को लगा कि उसने अंकल क्रैब के कटे-फटे खोल और पंजों को पहचान लिया था. पर सच यह था कि सीपियों, पंजों और पैरों के ऐसे ऊंचे पहाड़ में किसी रिश्तेदार के खोल को पहचानना मुश्किल था..

एक बात स्पष्ट थी: मैडम सी. यहीं कहीं निकट रहती थीं.

लेकिन रेड सिटी का रास्ता सीधा आगे, खड्ड के किनारे आगे जाता था.

धीरे-धीरे और सावधानी से हर्मिट ने खड्ड के साथ अपना रास्ता बनाया, अपनी लंबी मूंछों से समुद्र तल के हर इंच का परीक्षण किया और पैनी नजर रखी, हालांकि वह जानता था कि यह लगभग बेकार था, क्योंकि मैडम सी. अपने सभी रिश्तेदारों, ऑक्टोपस, स्क्विड की तरह, जब चाहे खुद को अदृश्य बना सकती थी, और फिर आप चट्टान या रेत के गोले और उसके बीच में फर्क नहीं बता सकते थे. जब तक वह आप पर झपट्टा मारती, तक बहुत देर हो चुकी होती...

खड्ड संकरा होता जा रहा था, गहरी गुफाओं वाली ऊँची चट्टानें और अधिक खड़ी होती जा रही थीं, और उसके चारों ओर अंधेरा होता जा रहा था... लेकिन हर्मिट आगे बढ़ता रहा...

फिर कुछ रौशनी हो गई और खतरा टल गया. वे खड्ड के अंत से कुछ ही कदम दूर थे, जब अचानक एक विशाल गुफा में एक भयानक जोड़ी आँखें चमक उठीं. फिर कुछ लंबे टेंटेकल्स दिखाई दिए... और धीरे-धीरे और चुपचाप मैडम सी. गुफा से बाहर तैरकर आई. हालाँकि हर्मिट ने उसे कभी देखा नहीं था, वो उसे तुरंत पहचान गया.

"अपने जीवन के लिए भागो, गुलाब!" हर्मिट बेतहाशा चिल्लाया.

अपने भय के कारण वह यह भी भूल गया था कि गुलाब चल नहीं सकती थी और वह भी चल नहीं सकता था, क्योंकि वह उसी स्थान पर जड़वत खड़ा रहा.

लेकिन उसने गुलाब की रक्षा के लिए अपने पंजे खतरनाक तरीके से उठाये.

लेकिन कटलफिश (क्योंकि यह मैडम सी. का असली नाम था) को समय लगा जब वह चुपचाप करीब और करीब तैरकर आई उसे विश्वास हो गया कि अब उसका शिकार उससे बच नहीं पायेगा.

हर्मिट पहले से ही उसके जाल के सिरों पर भयानक चूसने वालों को पहचान गया था. सांपों की तरह छटपटाते हुए, टेंटेकल्स करीब और करीब खिसकते गए, जब तक कि उन्होंने बेचारे हर्मिट को पकड़ नहीं लिया और उसे ऊपर खींचकर ले जाने लगा, जहां उसकी बड़ी-बड़ी बिना पलकें झपकाए आंखें चमक रही थीं. डरावने जबड़े बंद हो गये.

हर्मिट ने अत्यंत संघर्ष किया, लेकिन उसके टेंटेकल्स लोहे की तरह मजबूत थे. उसके पंजे उनके सामने असहाय थे.

"यह अंत है," यह विचार उसके दिमाग में घूम गया. "हमेशा के लिए अलविदा, गुलाब!"

उसी समय बिजली की एक चकाचौंध चमक ने कटलफिश के शरीर पर उसके टेंटेकल्स के ठीक नीचे प्रहार किया. समुद्री गुलाब ने अपने डरावने हथियार, उसकी खूबसूरत पंखुड़ियों में छिपी घातक किरणों को खोल दिया.

हां, वह सही कह रही थी कि किसी की उस पर उंगली उठाने की हिम्मत नहीं हुई थी.

फ़्लैश - बिना पलकें झपकाए आँखों पर बादल छा गए. फ़्लैश - टेंटेकल्स ने अपने शिकार को छोड़ दिया और असहाय होकर पानी में लटक गए. फिर से फ्लैश - और कटलफिश ऐसे वापस उछली मानो वह "स्याही बम", जैसे काले तरल का एक बादल छोड़ने के बाद जल गई हो (वास्तव में वो झुलस गई थी!). एक क्षण के लिए सब कुछ अंधकार से अस्पष्ट हो गया.

जब बादल छंट गया, तो कटलफिश का कोई नामो-निशान नहीं बचा.

खड्ड से बाहर निकलने का रास्ता साफ था.

“तो फिर किसने किसको एक-दो चीजें दिखाईं?” गुलाब ने पूछा.

रास्ता साफ था, और जब हमारे यात्री रेत के किनारे पर आये तो उन्होंने चमकदार सूरज की रोशनी में रेड सिटी को चमकते देखा! उसकी दीवारें शानदार आकार की थीं और ऊंची और ऊंची उठती रहीं, जब तक कि वे समुद्र के अंत और आकाश की शुरुआत से ऊपर गायब नहीं हो गईं. और प्रसन्न गायन और लगातार बातचीत की आवाज़ (याद है मछलियाँ बातचीत करने की कितनी शौकीन होती हैं?) आसपास मीलों तक सुनी जा सकती थी.

"अरे, यहाँ रहना कितना मजेदार होगा," हर्मिट और रोज़ दोनों ने एक ही समय पर सोचा.

और हालाँकि उन्होंने रेड सिटी कभी नहीं देखा था, उन्होंने तुरंत अनुमान लगाया कि वो वही था. दीवारों पर लाल, गुलाबी, लाल और सिन्दूरी रंग के सबसे अद्भुत शेड्स थे.

"क्या यह रेड सिटी है?" उन्होंने सबसे पहले जिस व्यक्ति से मुलाकात की, उससे एक सुर में पूछा.

वो डॉक्टर क्रैब निकला, जो एक बड़ी ट्यूनी मछली की समुद्री बीमारी को ठीक करने की कोशिश कर रहा था. डॉक्टर ने वह करना बंद कर दिया और गंभीरता से कहा:

"देखो, रेड सिटी? वैसे यह इसका वैज्ञानिक नाम नहीं है. आप चाहें तो इसे रेड सिटी कह सकते हैं, लेकिन वास्तव में यह कोरल-रीफ है! इसका निर्माण मूंगों द्वारा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया गया है इसलिए इस संरचना को कोरल-रीफ कहना अधिक सही होगा.”

"मुझे याद आया है!" गुलाब अचानक चिल्लाई. “मेरे दोस्तों या रिश्तेदारों को यही कहा जाता है - कोरल! हाँ यह सही है. चलो, जल्दी!”

लेकिन जब हर्मिट और रोज़ शहर (या चट्टान) के इतने करीब थे कि वे लाखों छोटे पारदर्शी कोरोला देख सकते थे, जो गुलाब की पंखुड़ियों के कोरोला के समान थे. (और मूंगे बिल्कुल ऐसे ही दिखते हैं), हर्मिट ने रुककर कहा, ठीक उसी क्षण जब गुलाब ने भी वही बात कही, इसलिए उन्होंने इसे एक स्वर में कहा:

"मुझे आपके अलावा कोई और दोस्त नहीं चाहिए!“

"यह सही बात है!" एक परिचित आवाज गूंजी. "उस चीज़ की तलाश करना जो आपको बहुत पहले मिल चुकी हो, बस समय की बर्बादी है.“

निस्संदेह, यह डॉल्फिन समुद्री जादूगर थी.

यह देखते हुए कि न तो हर्मिट और न ही रोज़ ने उसे समझा था, उसने कहा:

“मज़ेदार जोड़ी! निश्चित रूप से अब तक आपको एहसास हो गया होगा कि आप असली दोस्त हैं. सच्चे दोस्तों के बारे में लोग कहते हैं कि पानी उन्हें अलग नहीं कर सकता है. और सात समुद्र भी अलग नहीं कर सके आप दोनों को!"

"ही, ही, ही!" पास से हिनहिनाने की तीखी आवाज आई.

यह समुद्री घोड़ा था, जो हमेशा की तरह आसपास के क्षेत्र में उछल-कूद कर रहा था. यह पहली बार हुआ होगा कि वह खुद नहीं बल्कि किसी और के मजाक पर हंसा था.

"ही, ही, ही!"

लेकिन निःसंदेह, किसी भी हर्मिट या गुलाब ने इस पर ध्यान नहीं दिया.

क्योंकि समुद्र बहुत नीला था! पूरी दुनिया का सबसे नीला समुद्र!

और जीवन कितना मज़ेदार, कितना दिलचस्प था!

इसलिए वे खुशी के गीत में शामिल हो गए जिसे वे अपने चारों ओर सुन सकते थे.

कहीं किसी को भी

पूरी दुनिया भर में

इतना ज्यादा मजा नहीं आता होगा

जितना मछलियों को पानी में आता है!

मछलियों ने गाना गाया.

लेकिन हम ऐसे हैं

अच्छे दोस्त, आप देखिए,

कि मछलियां भी

आपसे और मुझसे ईर्ष्या करती हैं,

हर्मिट और गुलाब ने गाया.

और मुझे लगता है कि वे बिल्कुल सही थे! क्योंकि यदि आपको कोई मित्र मिल जाता है और आप उसके साथ मिलकर एक खुशी का गीत गाते हैं, तो आपके पास वह सब कुछ है जो किसी भी व्यक्ति को संपूर्ण खुशी के लिए चाहिए!